

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळें.

— इस्त लेखन सग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

१९७ (१९७)

ग्रंथ नाम

द. ई.

विषय

मराठी काव्य



मराठी

श. न. ३९

काव्य

~~वामन~~ काव्य - काव्य



१९५६

गणराज

गणराज



Jointly prepared by the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥ श्री ॥

॥ प्रतःसंरामी ॥
॥ भो पाव्या ॥

गणपतीची भोपाकी प्रा-

ठुटि ठुटि वाग मनाथा ॥ बोले पावती मा
ता ॥ प्रभात जाते वसुधातला ॥ शरव वीस
मस्ता श्री गणेश ॥ कलाटो घे मुन
आरती ॥ शमा ॥ शोली ॥ द्या
वोवा कौ प्रेता ॥ गी गण नाथा ॥
ठुटी ॥ था ॥ अर्घ्य ॥ सर्वेश गण ॥ तुभ
आसती कर जोडून ॥ तशीत आरुमु
षक वादान ॥ प्रेमै दर्शन घ्या या ना ॥ ठुटि
॥ २ ॥ ब्रम्हा वीष्णु रुद्र गण ॥ नारदिकुस
जन ॥ प्रार्थीताती तुजला गुन ॥ देई द
र्शन प्रेमया ॥ ठुटि ॥ ३ ॥ ऐसे ते कून गण
नाथ ॥ जा गळ पानी धी ॥ जा गत ॥ व



लामजहार्षभरित॥ होठननाचेआनंद॥
ठटी॥१॥

ममतीचीभोपाकीदुसरिआ

उटाउहासकळजन॥ वाचस्मराहोबज्या
नन॥ रिधीशिथोचदस्थान॥ स्मतीवी

व्येनीवाशिधकोयोथोवनदिती॥ या
शीवीव्येनाबराहिकाआ

कीप्रतीली॥ मंदितीगज्यान
ना॥ उच्छटा॥ तुंशुंठामणी

॥ शिथुदरवदकोशुकादिमोद
कथेवीनी॥ कार्येनीथेवीकरिसदा॥ उ

टा॥ राओखुमाख्यात्याशाभती॥ कारे
पितांबरजरिकाटी॥ कोटीसुयीचीप्र

भाफाकीती॥ स्मतीवीव्येदुरकरि॥
॥ ठटी॥ ३॥ ऐसेहेगणपतीचेध्यान॥

प्रातःकाकीकरिवामनाभवतापेपाव



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Chavan Pratishthan

को जाण ॥ दुरकरि गणनाथ ॥ गुहा ॥ ११ ॥

सरस्वती-बोधोपाकी प्रारभः

गुहनीया प्रातः काकी ॥ आधी वंदने दमा बु की ॥
 इन्द्रादिका नीगाइ की ॥ पुके कार्य साधाया ॥ धृ
 संतसाधु प्रपंशो क संतो ॥ आपु म्या कार्यासा ॥
 कारिती ॥ नभा प्र ॥ ती ॥ प्रभांतका
 की गुहनीया ॥ गुह ॥ शी थी ये गुनी आ
 रती ॥ दाशी तु भ्या ॥ ॥ सती ॥ देव सुख
 र आ ले म्हा ॥ ॥ शं न्या ॥ गुहनी ॥ २ ॥
 तै से तै कु न ज गं न माय ॥ हं व सो व रि रु ट हो या ॥
 वा काम जा हो इ सा क ॥ दे इ दर्शन भ का शी ॥ गुह
 नीया प्रातः काकी ॥ ३ ॥



गुरुकी भोपाकी प्रारभः

जाकी प्रभात गुहा आती ॥ आदिस्मस गुरु
 नाथा ॥ तणै तु म ची भ न व्यथा ॥ दुरकरि
 गुरुराया ॥ धृ

गुरु ब्रह्मा हो श्री धर ॥ गुरु जाणा तो शी
 कर ॥ गुरु विंणें न से थोर श्री भुव नी हीं
 डता ॥ १ ॥ गुरु वी व्या शी क वी तो ॥ गुरु
 ब्राह्मणा ब्रह्म दे तो ॥ गुरु भव ता पहार
 लो ॥ ने तो शी श्व त पदा ॥ २ ॥ गुरु जा
 णा ना वर हीं त ॥ गुरु गणा ती त ॥ गु
 रु स क ल म धं ॥ गुरु गणा तु ली नी र
 धार ॥ ३ ॥ गुरु गणा ता ता पी ला ॥ गु
 रु श्रे ष्ठ व धु दु ॥ गुरु आ ह हित चीं
 ती ता ॥ ने तो शी श्व त पदा ॥ ४ ॥ तौ सा
 जा णें गुरु थोर ॥ बां का म ज नी र धार ॥
 करि भव पार ॥ कृ पा वं त गुरु स जा ॥
 ॥ ५ ॥ भो पा की हूँ त
 उ हि उ टी बा हूँ ता भ या ॥ बो लें मा ता



Digitized by eGangotri
 Copyright for the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

आनुसया ॥ मित्र आलावा उदया ॥
 देइ दर्शन सकळीका ॥ ६८ ॥ प्रसाची
 षुमहेश्वर ॥ इद्रादिसकळस्करवर
 ॥ आळु मुनीथोरथोर ॥ प्रेमदर्शन
 घ्यायाला ॥ शिरीषीधीदया प्रीती ॥
 हातीं घेवुन पं ॥ रागीरुभ्या
 या आसतो ॥ ६९ ॥ गदयानीधे ॥ २ ॥
 नारदनुंकर गा ॥ करती ॥ ७० ॥ अणुपुष्पा
 कार्यासाकारिता ॥ प्रकारस्तुती
 गाती ॥ सारे गंधर्वीकानियां ॥ ३ ॥
 तैसेतैकुनिकपाकरि ॥ जालाज्याग्र
 तसकतआत्री ॥ दिनावरि करि प्रीती ॥
 देइ दर्शन सकळीका ॥ ४ ॥ गंधर्वीदि
 स्करवर ॥ करती वाद्याचा गजर ॥

बाह्यमज्ज आहवेनावीसर ॥ करिभव
पारनीश्वये ॥ ५ ॥

ज्योती की ग

॥ ६ ॥

बुहुनीया प्रातः कार्त्तिके ॥ स्मराद्वा शक्ति
गोसो ज्वकी ॥ नेयेन मन्त्री पाप शुकी
॥ होवुन पावा ॥ श्रु ॥ खौरा ह
सोमनाथ ॥ - ॥ मत्त का भुर्न ॥
माहाकाले भुज ॥ नाद तसे ऐकी
हो ॥ १ ॥ श्वेतव कुरामेश्वर ॥ ॐकार
मामरुश्वर ॥ गौतम तदीत्रैव केश्व
र ॥ ज्ञाणा लुक्षीनी र धारे ॥ २ ॥ वा रा
शीवीश्वेश्वर ॥ वैद्यनाथ माहाथो
र ॥ हारुकावनीनागेश्वर ॥ नाद तसे
आनंद ॥ ३ ॥ प्रख्यात आडे केशरेश्व



Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

रग। लैसा होभी माशकर ॥ ऐ शी वारा
की गे जाणा ॥ घुस मेश्वर वे सुंकी ॥ ४ ॥

गणपती

गणयोगणपती ॥ गणेशी वीनंती लु
झाप्रती ॥ बुध्दियागी मनप्रती ॥ आ
भक्तमीमदः ॥ रुकर लुजवो
रुती ॥ आभर ता श्रीती ॥
कीती लुश्रीव ॥ श्रीसंवयेवु
नीशाकेशी ॥ मुकेंकरावी सख्यान
राशी ॥ ऐ कुन गणराजवीनंती ॥
बसके माहा राज उगासनाप्रती ॥
गंधर्धुपनेवे स्या दिघेवुन मगले
सुखी जाके ॥ मोदक विडा घेकुन



Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

हार्षके॥वामनदासासखीकेके॥

मृगळमोतीमोरया॥१॥

आरतीमारुती

राममुद्राघेवुनकडकडशब्देवुडाका

॥गगनातूनचा शिंथुजवळीआ

का॥लेथेप्रीथुकापुरिगे

का॥आशोनावुनभेटीजन

ककनेला॥जसमाहारुद्रा

आरतीवालाकुकीशीभव

समुद्रा॥१॥आखयामारुवका

दंग्थकेली॥भुभुकारकरुनीवं

देराममावुकी॥ऐसायेशवंतपाहु

नकरवरेगाईका॥तोहवामन

दासेभावेवपीमापराजयदेव



Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Chavan Pratishthan, Mumbai.

वणीला जाके स्तब्धीत ॥ भ्रुधर स्तब्धीत
 होवुन डोकल ॥ बाळात्मज
 नामः स्मरणे होइ त्रस ॥ जय ॥ १ ॥

आरती कक्षी

सुस आसु रशिंध क रिता मंथन
 ॥ नीघरी च क लुरन ॥ मा
 क्क्यात्मन क षाजाण ॥ दा
 ही आवतारि तीकर शीआ
 सुरामदेना ॥ व जयदेव जय
 सिंधुनंदिनी ॥ संकटनाशन भवता
 पहा ॥ रणी ॥ १ ॥ नाना रूपी नानातु
 झे आवतार ॥ गावुन शेवा करिन
 नीरंतर ॥ आठरा साहाद मकेले-या
 र ॥ लेथे कायवणिनिर पामर ॥ २ ॥
 लवक पाहोतारं काळा गुन ॥ या शी

देशी इंद्राचे अस्सन ॥ ऐतवक्क
पेचे महिमान ॥ वरदेवुन शांतक
रिवामन ॥ जय ॥ ३ ॥ ॥ ६ ॥

आरती देनाची

करु युगीं लुसेना पुराण ॥ पापी
आधमा बुध्द विनिशेन ॥ देत देत
ऐशें उच्यारत ॥ हा शी प्रय ४ मे
क्षरु भाये वौन ॥ व्रज सुदवज
यदना प्रया ॥ ३ ॥ त्रोवा वीलाचु
कवि शी भव माया ॥ १ ॥ क्षणार्म ध्ये
कर शी प्रय लोकीं गमन ॥ शेषाचली
आसेर्नीय अस्सन ॥ माह र गडी
शाभेनी द्वास्थान ॥ काशींत कर शीं
स्नानर्नीशि दिन ॥ जय ॥ २ ॥ पंढर पु
रिंमर्नी शी चंदन ॥ कोला पु रिंकर



Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Jashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

शी भीक्षा जाकुन ॥ पुर पाच्याकि
 करशीं भोजन ॥ हस्त धुशी तुळ
 जापुरीये वैन ॥ जय ॥ ३ ॥ होसातु
 मुळ मायेचा ताल ॥ कोणवणीगु
 णतु शे आनणी ॥ हं द्रा दि सुख
 रजाते रसं ॥ सवामन जात



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

नामीये ह ॥ ४ ॥
 सवणन
 लोक
 शाहन गरिचे पंश्चमभागी ॥ व
 सते से संजन अंत रंगी ॥ दश
 लें नीं सकल सुख आवें ॥ म्हणु नीव
 से सत् प्रीयभावे ॥ १ ॥ वसणे आसे
 गडी सजनाचे ॥ म्हणो नी गडानाम
 सजनाचे ॥

लो गड की ती रु दया शी गे ला ॥ ना
 मनी घतान म म ती ल या ला ॥ कैं पा
 कंटांशे गड आव लो की ये ला ॥ म्ह तो
 णो नी ज गी श्रे ष्ठ गड पा वी जे ला ॥
 पा हे म ना ल आ डि - पा या स ज ना
 ची ॥ म्ह णे नी - त व पा द
 ची त प्यो ची ॥ धान म्ह ण
 ला सा व ध जा - रा ग्य श रे व
 धित से सा हा - न र पा ट सो
 दु न तो प का ला ॥ जा लो नी शे वी गी त
 रि कं द रा ला ॥ ४ ॥ तें थें शे वु न रा म
 वु पा से न ला ॥ त पा ले शे वु न रा म भे
 ट वी ला ॥ त या चे नी आ जे लो को य श्री
 का रा ॥ स्था पि त से रा म दा शि खा
 प्र दा या ॥ ५ ॥ आ सा हा रा म दा स आ



Project for the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

वतार ॥ जाला ज गी मारु ती रुद्र
थोर ॥ वृषकारार्थ नरवेश जाला
॥ भावेन मी वामन जया पदाला
॥ ६ ॥

गणपती

गणराज गणेशाया वी महेशा ॥
करुणा कर ॥ आनाथनाथा ॐ
कारा ॥ ब्रं ह इश्वर ॥ तारक तु
वीद्याधारा ॥ गुरु मी क क विश्वर
॥ तुज पालो ॥ या ॥ बुद्धी देवुन
आनी वार ॥ नो ली वी ल क वित्ना मी ॥
लै साहा रास दिन ॥ विन वितो हो स्त जा
॥ र ॥ हुन ॥ आभय कृ भा वी देवुन ॥ वर दे इ
मुष्क वाहना ॥ ऐ से ऐ कुन गणपती ॥
नाचत नाचत आले प्रीती ॥ पाइ पै ज
ण मजु क वाजती ॥ पीतांबर का सप्रती



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥भाकीमुगुटशोभतो॥कंठीहारनवरत्ना
 ला॥श्रीशुक्लमरुहास्तात॥नागबंदम
 नगदी॥हातीघेवुनमोदकवाटीभगजमु
 खशोभतसे॥बीबीतहीरारत्नाचा॥प्र
 भालयाचीआभावार॥ऐसेऐवुनगण
 पती॥बसलेजसनीप्रती॥शो
 इशोपच्यारेपुज्यस्त्रेकुपवस्त्रे
 दोसेदिली॥भाकीकानीका॥मुल
 मपुष्याच्याभाऊया॥शुपदिपदा
 खवुनी॥मोदकनेवस्यआपीला॥हात
 धुवोनवीडाघेतला॥दक्षणार्थदिहआ
 पीला॥प्रदक्षणांनमस्कार॥करिदासवारं
 वार॥तेव्हाधरिलेआभयकरि॥वरदि
 धरुदासाला॥हीप्रार्थनाहणतीरुज
 न॥त्याचेहृदईमीवरुन॥बध्दीदेई



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com